संकलित परीक्षा – II, 2012

63035

हिन्दी 'अ'

कक्षा – X

समय : 3 घण्टे **अधिकतम अंक : 80**

निर्देश :

(1) इस प्रश्न पत्र के **चार खंड** हैं – **क, ख, ग** और **घ**।

(2) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है।

(3) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमश: दीजिए।

खण्ड – क

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढिए तथा पूछे गए प्रश्नों के लिए सही उत्तरवाले विकल्प चुनकर लिखिए : **1x5=5**

जो समाज को जीवन देता है, उसे निर्जीव नहीं कहा जा सकता। तालाबों को जल का स्रोत माना जाता है। उनके चारों ओर समाज ने अपने जीवन को रचा है। देश के अलग – अलग राज्यों में, अलग – अलग भाषाओं में तालाबों के विभिन्न नाम हैं। जो उनके साथ समाज की निकटता के द्योतक हैं। पर्यायवाची शब्दों की सूची में तालाब के अनेक नाम मिलते हैं। 'हमीर नाम माला' में तालाबों के पर्यायवाची नाम मिलते हैं। डिंगल भाषा का यह ग्रंथ तालाबों को 'धरम सुभाव' कहता है। लोक–धर्म का और सुख – दुख के सभी प्रसंगों का तालाब से जुड़ जाना स्वाभाविक है। तालाब बनाना या तालाब की मरम्मत करना पुण्य का काम माना जाता था। जैसलमेर और बाड़मेर में साधन कम होने पर यदि पूरा तालाब बनाना संभव न हो तो सीमित साधनों का उपयोग करते हुए तालाब की पाल पर मिट्टी डालने या मरम्मत करने का काम किया जाता था। परिवार के दुखद प्रसंग को भी तालाब से जोड़ कर समाज के सुख में बदल दिया जाता था।

समाज और तालाब का आपस में गहरा संबंध है। अकाल पड़ने की स्थिति में तालाब बनाने का काम होता था। इससे लोगों को तात्कालिक राहत मिलती थी। पानी का प्रबंध होने पर कभी आ जाने वाले दुख को सहने की शक्ति समाज में आती थी। बिहार के मधुबनी क्षेत्र में छठी सदी में आए एक बड़े अकाल के समय पूरे क्षेत्र के गाँवों ने मिलकर 63 तालाब बनाए थे। मधुबनी के लोग आज भी वृ तज्ञता से इन्हें याद करते हैं।

तालाब का लबालब भर जाना एक बड़ा उत्सव बन जाता है। भुज (कच्छ) के सबसे बड़े तालाब हमीरसर के घाट में बनी हाथी की एक मूर्ति अपरा चलने (जल का बाहर निकल आना) का सूचक है। जब जल मूर्ति को छू लेता तो पूरे शहर म खबर फैल जाती। सारा शहर तालाब के घाटों पर आ जाता। भुज के राजा घाट पर आते और पूरे शहर की उपस्थिति में तालाब की पूजा करते और तालाब का आशीर्वाद लेकर लौटते। यह उत्सव प्रजा और राजा को घाट तक ले आता था।

(i) तालाब के साथ समाज का निकटता का संबंध है क्योंकि :

(क) वह समाज को जीवन देता है। (ख) वह निर्जीव नहीं है।

(ग) वह जल का स्रोत है। (घ) वह समाज के लिए है।

(ii) तालाब की मरम्मत के काम को पुण्य का काम कहा जाने का कारण है :

(क) काम का महत्वपूर्ण होना।

(ख) तालाब को जीवन (जल) का स्त्रोत मानना।

(ग) मरम्मत में पैसे का सदुपयोग करना।

(घ) दुखमय प्रसंग का सुखमय बन जाना।

(iii) राजा घाट पर आते हैं–

(क) लोगों के एकत्रित होने के कारण।

(ख) तालाब को इष्ट देवता मानने के कारण।

(ग) तालाब के पूरा भरने पर उत्सव मनाने के कारण।

(घ) अपने इष्ट देवता का आशीर्वाद प्राप्त करने के कारण।

(iv) परिवार के दुखद प्रसंग सुख में तब बदलते हैं जब :

(क) सब तालाब के काम में जुटकर अपना दुख भूल जाते हैं।

(ख) तालाब बनाने के पुण्य से दुख दूर होते हैं।

(ग) अड़ोस – पड़ोस की संगति में दुख की अनुभूति कम होती है।

(घ) पानी का प्रबंध होने पर दुख का निराकरण होता है।

(v) गद्यांश का शीर्षक हो सकता है :

(क) जल का महत्व (ख) प्रजाहित

(ग) लबालब तालाब (घ) तालाबों का महत्व

2. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : **1x5=5**

मुंशी प्रेमचंद का जीवन अनुशासित था। वे मुँह अँधेरे ही उठ जाते थे और नित्यकर्म से निवृत्त होकर एक घंटे घूमने जाते थे। वे अक्सर स्कूल के अहाते में ही घूम लेते थे। लौटकर वे घर के जरूरी काम निपटाते थे। वे अधिकांश काम स्वयं करते थे। नौकर से अधिक काम लेना उन्हें पसंद नहीं था। अपना बिस्तर स्वयं उठाते, अपनी धोती स्वयं धोते। वे अपनी आदत नहीं बिगाड़ना चाहते थे। उन्हें वह समय सदा याद रहता था कि कभी वे स्वयं पाँच रुपये के नौकर थे। उनका मानना था कि जिस आदमी के हाथ में काम करने के घट्टे न पड़े हों, उसे खाना खाने का अधिकार नहीं है। उन्हें काम करने में रत्ती भर भी शर्म नहीं महसूस होती थी। वे बकरी के सामने पत्ती तोड़कर डाल देते थे और गाय की सानी भी कर देते थे। कमरे – बरामदे में झाड़ू लगा देना, पत्नी के बोमार होने पर चूल्हा जला देना, बच्चों को तैयार कर दूध पिला देना आदि काम वे प्राय: कर लेते थे। स्वयं हल्का – सा नाश्ता करके काम पर बैठ जाते थे। लिखने के लिए उन्हें प्रात: काल का समय पसंद था। स्कूल का समय होने तक वे लिखते रहते, फिर कपड़े बदलकर ठीक वक्त पर स्कूल जा पहुँचते। वे वक्त के बहुत पाबंद थे। वे छात्रों के सामने अच्छा उदाहरण रखना चाहते थे। वक्त बरबाद करना वे बहुत बड़ा गुनाह मानते थे। उनका विचार था कि वक्त की पाबंदी के बिना कोई कौम तरक्की नहीं कर सकती। उनके पढ़ाने का ढंग अन्य अध्यापकों से अलग था। वे लड़कों को रट्टू तोता नहीं बनाना चाहते थे। उन्हें लड़कों से बहुत उम्मीदें थीं। उस समय देश पराधीन था, इसे आजाद कराना था। शिक्षा संस्थानों से ही छात्रों को त्याग, साहस, देशप्रेम और देश सेवा का मंत्र मिलना चाहिए। शिक्षक अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकता अन्यथा युवा पीढ़ी आलसी, कायर, स्वार्थी और विलासी बन जाएगी। मुंशी प्रेमचंद इन बातों पर अवश्य सोचते थे। गुरु के

प्रवचन से अधिक असर गुरु के आचरण से पड़ता है। प्रवचन देना उनके स्वभाव के प्रतिकूल था। वे छात्रों से बराबरी का संबंध रखते थे। अधिकार जताना उन्हें छोटापन प्रतीत होता था। भला वह अधिकार ही क्या जिसे जतलाना पड़े। छात्रों ने उनकी बातों को पूरी तरह अपना लिया था। वे स्कूल में और बाहर लड़कों से बराबरी के स्तर पर मिलते थे।

(i) प्रेमचंद के अनुशासित जीवन से कौन-सी महत्वपूर्ण शिक्षा मिलती है :

(क) समय पर सभी काम निपटाना।

(ख) अपना काम स्वयं करना।

(ग) प्रतिदिन प्रात:काल बाहर घूमना।

(घ) छात्रों को नियमत: निष्ठापूर्वक पढ़ाना।

(ii) काम के बारे में प्रेमचंद की सोच थी :

(क) कोई काम छोटा नहीं होता।

(ख) काम ही जीवन है।

(ग) छोटा काम नहीं करना चाहिए।

(घ) सर्वहितकारी कार्य ही श्रेष्ठ होता है।

(iii) प्रेमचंद के अनुसार समय की पाबंदी जरूरी है क्योंकि :

(क) समय पर काम करना सफलता का मूलमंत्र है।

(ख) यह जीवन का आवश्यक गुण है।

(ग) समय की बरबादी एक अपराध है।

(घ) यह अपनी और जाति की उन्नति के लिए अनिवार्य है।

(iv) प्रेमचंद छात्रों मे देश-भक्ति की भावना भरने के लिए क्या करते थे?

(क) उन्हें रट्टू तोता बनने से बचाते थे।

(ख) उनके आचरण के आदर्श रूप पर बल देते थे।

(ग) उनको सही शिक्षा देते थे।

(घ) उनको त्याग साहस एवं देशप्रेम की सीख देते थे।

(v) अनुशासित शब्द में प्रत्यय है :

(क) अनु (ख) इत (ग) सित (घ) त

3. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए – **1x5=5**

मेरे अंदर एक देश बसता है
जिंदगी से हारकर जब उदास होता है वह
वह प्यार देता है, दुलार देता है
अपनी बाँहों में कसता है!
मेरे अंदर एक पर्वत है
जिसकी चोटी नभ को चूमती है
जिसकी नस-नस अपनत्व के नशे में झूमती है।
मेरे अंदर कुछ पवित्र नदियाँ हैं
जो धरती के कोरे पन्नों पर
लिखती है नित नए प्यार के गीत,
जागो, जागो, जागो ओ मेरे मीत।

मेरे अंदर मंदिर हैं, मसजिदें हैं, गिरजे हैं
भगवान की नज़र में सभी प्यारे हैं
अनक होकर भी सबका ध्येय है एक
वे कितने न्यारे हैं!
मेरे अंदर एक सभ्यता है, एक संस्कृति है
जो जीने की राह बताती है
सदियों पुरानी होकर, अमर-नवीन कहलाती है
स्कूल-कॉलेज-अस्पताल, कल-कारखाने-खेत,
नहरें-बाँध-पुल हैं, जहाँ श्रम के फूल खिलते हैं
और एक अरब लोग एक-दूसरे के गले मिलते हैं।

(i) देश प्यार कब देता है?
(क) जब हम उसके लिए कुछ करते हैं।
(ख) जब हम जिंदगी से थक हारकर बैठ जाते हैं।
(ग) जब हम देश की आलोचना करते हैं।
(घ) जब हम देश के लिए ढेर सारा काम करते हैं।

(ii) 'जिसकी नस-नस अपनत्व के नशे में झूमती है' - का भाव है :
(क) जिसके हृदय में सभी के लिए लगाव है।
(ख) जो हृदय से सभी को प्यार करता है।
(ग) जो ऊपर से नीचे तक प्रेम में डूबा हुआ है।
(घ) जो देशवासियों को प्रेम का संदश देता है।

(iii) हमारी संस्कृति की क्या विशेषता है?
(क) वह प्राचीन है। (ख) वह नवीन है।
(ग) वह प्राचीन होकर भी नवीन है। (घ) वह अमर है।

(iv) 'वे कितने न्यारे हैं' - का अर्थ है -
(क) अलग-अलग हैं।
(ख) उनका ध्येय एक है।
(ग) उनका ध्येय अलग ह।
(घ) ध्येय की एकता के कारण वे अद्‌भुत हैं।

(v) यहाँ के लोगों की क्या विशेषताएँ हैं?
(क) स्नेही और परिश्रमी (ख) आधुनिक और परिश्रमी
(ग) मिलनसार और बातूनी (घ) गायक और सुंदर

4. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए - **1x5=5**

हैं जन्म लेते जगह में एक ही,
एक ही पौधा उन्हें है पालता
रात में उन पर चमकता चाँद भी,
एक ही-सी चाँदनी है डालता
मेह उन पर है बरसता एक-सा
एक-सी उनपर हवाएँ हैं बहीं,

पर सदा ही यह दिखाता है हमें,
ढंग उनके एक से होते नहीं।
छेदकर काँटा किसी की उँगलियाँ,
फाड़ देता है किसी का वर वसन,
प्यार-डूबी तितलियों के पर कतर,
भँवर का है भेद देता श्याम तन।
फूल लेकर तितलियों को गोद में
भँवर को अपना अनूठा रस पिला,
निज सुगंधों और निराले ढंग से
है सदा देता कली का जी खिला।
है खटकता एक सबकी आँख में
दूसरा है सोहता सुर शीश पर,
किस तरह कुल की बड़ाई काम दे
जो किसी में हो बड़प्पन की कसर।

(i) 'जन्म लेते जगह में एक ही' से क्या तात्पर्य है?
(व) दोनो एक ही स्थान पर पैदा होते हैं।
(ख) दोनों एक ही टहनी पर जन्मते और विकसित होते हैं।
(ग) दोनों एक साथ जन्म लेते हैं।
(घ) दोनों एक जैसे लगते हैं।

(ii) फूल और काँटे के माध्यम से कवि क्या संदेश देना चाहता है?
(क) दोनों के ऊपर बादल पानी बरसाता है।
(ख) एक ही जगह जन्म लेने वाले भी स्वभाव में भिन्न होते हैं।
(ग) फूल सुगंध देता है तो काँटा उँगली छील देता है।
(घ) फूल सबको अच्छा लगता है पर काँटे को कोई पसंद नहीं करता।

(iii) 'किस तरह कुल की बड़ाई काम दे' का भाव है –
(क) पहचान आचरण से बनती है,
(ख) कुल का बड़ा होना बहुत जरूरी होता है।
(ग) कुल की बड़ाई करनी चाहिए।
(घ) बड़े कुल की सब बड़ाई करते हैं।

(iv) 'बड़प्पन' शब्द है –
(क) संज्ञा (ख) सर्वनाम
(ग) विशेषण (घ) क्रियाविशेषण

(v) 'रात में उनपर चमकता चाँद भी' में अलंकार है –
(क) यमक (ख) अनुप्रास (ग) श्लेष (घ) उपमा

खण्ड – ख

5. निम्नलिखित वाक्यों के रेखांकित पदों के पद-परिचय के लिए उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए- **1x4=4**

(1) यह पुस्तक किसकी है ?

(क) सार्वनामिक विशेषण, स्त्रीलिंग, एकवचन, 'पुस्तक' विशेष्य

(ख) कालवाचक विशेषण, पुल्लिंग, बहुवचन, 'पुस्तक' विशेष्य

(ग) स्थानवाचक विशेषण, पुल्लिंग, एकवचन, 'पुस्तक' विशेष्य

(घ) संख्यावाचक विशेषण, स्त्रीलिंग, एकवचन, 'पुस्तक' विशेष्य

(2) चोर के कारण वह धीरे-धीरे चलता है।

(क) क्रिया विशेषण, परिमाणवाचक, 'चलता है' क्रिया का विशेषण

(ख) क्रिया विशेषण, रीतिवाचक, 'चलता है' क्रिया का विशेषण

(ग) क्रिया विशेषण, स्थानवाचक, 'चलता है' क्रिया का विशेषण

(घ) क्रिया विशेषण, कालवाचक, 'चलता है' क्रिया का विशेषण

(3) श्याम ने अनिल को बुरी तरह मारा।

(क) अकर्मक क्रिया, अन्यपुरुष, पुल्लिंग, एकवचन, भूतकाल

(ख) सकर्मक क्रिया, अन्यपुरुष, पुल्लिंग, एकवचन, भूतकाल

(ग) पूर्व कालिक क्रिया, उत्तमपुरुष, स्त्रीलिंग, बहुवचन, भूतकाल

(घ) प्रेरणार्थक क्रिया, मध्यमपुरुष, स्त्रीलिंग, बहुवचन, भूतकाल

(4) वाह! कितना अच्छा हुआ कि तुम भी आ गए।

(क) विस्मयादिबोधक अव्यय, हर्ष सूचक

(ख) विस्मयादिबोधक अव्यय, शोक सूचक

(ग) विस्मयादिबोधक अव्यय, घृणा सूचक

(घ) विस्मयादिबोधक अव्यय, तिरस्कार सूचक

6. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दिए गए विकल्पों में से चुनकर लिखिए : **1x4=4**

(i) संयुक्त वाक्य के सभी उपवाक्य 'समानाधिकृत उपवाक्य' भी कहलाते हैं, क्योंकि :

(क) वे सभी उपवाक्य समानाधिकृत नहीं होते।

(ख) वे सभी उपवाक्य समानाधिकृत होते हैं।

(ग) उनमें से एक स्वतंत्र उपवाक्य और शेष आश्रित उपवाक्य होते हैं।

(घ) वे सभी उपवाक्य एक दूसरे पर आश्रित होते हैं।

(ii) 'सरल वाक्य' की पहचान बताने वाले सही विकल्प का चयन कीजिए :

(क) सरलवाक्य में एक ही प्रमुख क्रिया होती ह।

(ख) सरल वाक्य में केवल अकर्मक क्रिया का ही प्रयोग होता है।

(ग) सरल वाक्य में केवल वर्तमान काल का ही प्रयोग होता है।

(घ) सरल वाक्य में केवल विधेय होता है।

(iii) निम्नांकित में मिश्र वाक्य है :

(क) वह बड़ों का सम्मान करता है।

(ख) उसने बेइमानी की इसलिए नौकरी खो बैठा।

(ग) राम थककर सो गया।

(घ) उस खिलाड़ी को सम्मानित किया गया जिसने स्वर्ण – पदक जीता था।

(iv) निम्नलिखित में 'संयुक्त वाक्य' नहीं है :

(क) मैंने काम किया पर वेतन नहीं मिला।

(ख) वह इस विषय में कुछ नहीं जानता इसलिए चुप बैठा है।

(ग) मेहनत करने पर ही वह सफल हुआ ।

(घ) माँ बाज़ार गईं और फल – सब्ज़ी लायीं।

7. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए। **1x4=4**

निम्नलिखित वाक्य को कर्तृवाच्य में परिवर्तित करने पर क्या वाक्य बनेगा? सही विकल्प छाँटिए –

(i) मुझसे कविता पढ़ी जा सकती है।

(क) मैं कविता पढ़ सकता हूँ। (ख) मेरे द्वारा कविता पढ़ी जा सकती है।

(ग) मुझसे कविता पढ़ी जाती है। (घ) मैं कविता पढ़ सका।

(ii) निम्नलिखित वाक्य को कर्मवाच्य में परिवर्तित करने पर क्या वाक्य बनेगा? सही विकल्प छाँटिए

हम लाल बहादुर शास्त्री जी को नहीं भुला सकते।

(क) लाल बहादुर शास्त्री जी को भूला नहीं जा सकता।

(ख) लाल बहादुर शास्त्री जी को हम नहीं भुला सकते।

(ग) हमारे द्वारा लाल बहादुर शास्त्री जी को भुलाया नहीं जा सकता।

(घ) हम लाल बहादुर शास्त्री जी वो कैसे भुला सकते हैं।

(iii) निम्नलिखित वाक्य को भाव वाच्य में परिवर्तित करने पर क्या वाक्य बनेगा? सही विकल्प छाँटिए।

पक्षी दिनभर आकाश में उड़ते हैं।

(क) पक्षी दिनभर आकाश में उड़ते जाते हैं।

(ख) पक्षियों को दिनभर आकाश में उड़ना होता है।

(ग) पक्षी दिनभर आकाश में उड़ते रहते हैं।

(घ) पक्षियों से दिनभर आकाश में उड़ा जाता है।

(iv) 'आज मैं देर तक नहीं बैठ सकता' वाक्य का कर्मवाच्य का सही रूप है :

(क) आज मैं देर तक नहीं बैठ पाऊँगा।

(ख) आज मुझसे देर तक बैठा नहीं जा सकेगा।

(ग) आज देर तक बैठ नहीं सकेंगे।

(घ) आज मुझसे देर तक नहीं बैठा जाएगा।

8. **(i)** निम्नलिखित पंक्ति में प्रयुक्त× अलंकार कौन - सा है ? सही विकल्प चुनकर लिखिए । **1x4=4**

'विपतिकसौटी जे कसे तेई साँचे मीत।'

(क) उत्प्रेक्षा (ख) श्लेष

(ग) उपमा (घ) रूपक

(ii) निम्नांकित में से किस पंक्ति में मानवीकरण अलंकार न हीं है ? सही विकल्प

चुनकर लिखिए ।

(क) सागर चरण पखारे , गंगा शीश चढ़ावै नीर ।

(ख) पेड़ झुक झाँकने लगे गरदन उचकाए ।

(ग) सुवासित भीगी हवाँए , सदा पावन माँ सरीखी ।

(घ) हैं कई पत्थर किनारे , पी रहे चुपचाप पानी ।

(iii) निम्नांकित में से किस पंक्तिप में उपमा अलंकार प्रयुक्तË हुआ है ? स ही विकल्प छाँटिए ।

(क) मृदु मंद - मंद मंथर मंथर

(ख) चारु चंद्र की चंचल किरणें

(ग) चवँर सदृश डोल रहे, सरसों के सर अनंत

(घ) हँसते - हँसते चल देते , पथ पर ऐसे

(iv) किस अलंकार में एक ही शब्द बार - बार आता है किन्तु उसका अर्थ भिन्न - भिन्न होता है-

(क) श्लेत्ष (ख) उत्प्रेक्षा

(ग) यमक (घ) मानवीकरण

9. नीचे दिये गये वाक्यों के लिए दिए गए उत्तरों में से सही विकल्प वाला उत्तर चुनकर लिखिए : **1x4=4**

(i) 'भूषण वीर रस के प्रसिद्ध कवि थे' रेखाकिंत पद का परिचय है :

(क) गुणवाचक विशेषण, कवि विशेष्य।

(ख) सार्वनामिक विशेषण, एकवचन।

(ग) गुणवाचक विशेषण, बहुवचन।

(घ) सार्वनामिक विशेषण, कवि विशेष्य।

(ii) 'वह आना चाहता था परन्तु आ नहीं सका' यह वाक्य निम्नलिखित में से किस प्रकार का है?

(क) साधारण वाक्य। (ख) संयुक्त वाक्य।

(ग) सरल वाक्य। (घ) मिश्र वाक्य।

(iii) जिस वाक्य में कर्म के अनुसार क्रिया का रूप बदलता है उसे कहते हैं :

(क) साधारणवाच्य (ख) भाववाच्य

(ग) कर्तृवाच्य (घ) कर्मवाच्य

(iv) निम्नलिखित पंक्ति में उपमान ढूँढ़िए :

''पीपर पात सरिस मन डोला।''

(क) मन (ख) पीपर पात

(ग) सरिस (घ) डोला

खण्ड - ग

10. **निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए।** **1x5=5**

गिरती आर्थिक स्थिति ने ही उनके व्यक्तित्व के सारे सकारात्मक पहलुओं को निचोड़ना शुरू कर दिया। सिकुड़ती आर्थिक स्थिति के कारण और अधिक विस्फारित उनका अहं उन्हें इस बात की अनुमति नहीं देता था कि वे कम से कम अपने बच्चों को तो अपनी आर्थिक विवशताओं का भागीदार बनाएँ। नवाबी आदतें, अधूरी महत्त्वाकांक्षाएँ, हमेशा शीर्ष पर रहने के बाद हाशिये पर सरकते चले जाने की यातना क्रोध बनकर हमेशा माँ को काँपती-थरथराती रहती थी। अपनों के हाथों विश्वासघात की जाने कैसी गहरी चोटें होंगी वे जिन्होंने आँख मूँद कर सबका विश्वास करने वाले पिता को बाद के दिनों में इतना शक्की बना दिया था कि जब तब हम लोग भी उसकी चपेट में आते ही रहते।

(i) 'व्यक्तित्व के सकारात्मक पहलू' से अभिप्राय है :

(क) उनके सद्‌गुण (ख) उनके दुर्गुण

(ग) उनकी प्रगतिशीलता (घ) उनमें परिवार विषयक विचार

(ii) सिकुड़ती आर्थिक स्थिति का पिताजी पर क्या प्रभाव पड़ा?

(क) वे दरिद्र होकर मित्रों से माँगने लगे।

(ख) उनका अहं और प्रबल हो गया।

(ग) छोटी-छोटी बातों पर भी क्रोध करने लगे।

(घ) वे घर-शहर छोड़कर चले गए।

(iii) पिताजी के क्रोधी होने का कारण क्या था?

(क) बच्चे उनकी बात नहीं मानते थे।

(ख) माता जी समय पर खाना नहीं देती थीं।

(ग) वे उच्च स्थिति से बहुत नीचे आ गए थे।

(घ) लोगों ने साथ देना छोड़ दिया था।

(iv) पिता जी शक्की क्यों बन गए थे?

(क) अपनों ने ही उन्हें धोखा दिया था।

(ख) माताजी घर में हेराफेरी करती थीं।

(ग) बच्चों में चोरी की आदत बढ़ रही थी।

(घ) परिजनों ने अच्छा व्यवहार नहीं किया था।

(v) 'जब तब हम लोग भी चपेट में आते रहते।'

रेखांकित की व्याकरणिक कोटि है :

(क) विशेषण (ख) क्रियाविशेषण

(ग) संज्ञा (घ) सर्वनाम

अथवा

लक्ष्मण! जरा उस राजा से कह देना कि मैंने तो तुम्हारी आँख के सामने ही आग में कूदकर अपनी विशुद्धता साबित कर दी थी। तिस पर भी, लोगों के मुख से निकला मिथ्यावाद सुनकर ही तुमने मुझे छोड़ दिया। क्या यह बात तुम्हारे कुल के अनुरूप है? अथवा क्या यह तुम्हारी विद्वत्ता या महत्ता को शोभा देने वाली है? सीता का यह संदेश कटु नहीं तो क्या मीठा है? 'राजा' मात्र कहकर उनके पास अपना संदेसा भेजा। यह उक्ति न किसी गँवार स्त्री की; किंतु महाब्रह्मज्ञानी राजा जनक की लड़की और मन्वादि महर्षियों के धर्मशास्त्रों का ज्ञान रखने वाली रानी की।

(i) सीता जी ने अपने पति के लिए 'राजा' शब्द का प्रयोग क्यों किया?

(क) क्योंकि वे राजा थे।

(ख) उनके पास अधिकार था।

(ग) क्योंकि प्रजा की बात मान बैठे थे, सीता की नहीं।

(घ) क्योंकि सीता को राजा कहना अच्छा लगा था।

(ii) सीता ने यह संदेश किसके हाथ भेजा?

(क) राजा जनक के हाथ। (ख) हनुमान के हाथ।

(ग) लक्ष्मण के हाथ। (घ) भरत के हाथ।

(iii) गद्यांश में अभिव्यक्त हुआ है सीता का –

(क) प्रेम (ख) आक्रोश (ग) घृणा (घ) वैरभाव

(iv) 'क्या यह तुम्हारी विद्वत्ता या महत्ता को शोभा देनेवाली हैं?'
वाक्या में निहित व्यंग्य है –

(क) विद्वान ऐसा काम नहीं कर सकता।

(ख) महान व्यक्ति के लिए ऐसा काम संभव ही नहीं है।

(ग) लोगों के कहे पर विश्वास करना क्या ठीक है?

(घ) मुझे त्यागना आप जैसे महान् व्यक्ति की मर्यादा के अनुकूल नही है।

(v) 'मिथ्यावाद' शब्द का क्या अर्थ है?

(क) झूठी बात। (ख) सच्ची बात।

(ग) लोगों के मन की बात। (घ) लोक–परंपरा में प्रचलित बात।

11. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **2x5=10**

(क) संस्कृति पाठ के लेखक के अनुसार संस्कृति और अपसंस्कृति में क्या अंतर है? सोदाहरण लिखिए।

(ख) पुराने समय में स्त्रियों द्वारा प्राकृत बोलना उनके अनपढ़ होने का प्रमाण नहीं है। पठित पाठ के आधार पर सिद्ध कीजिए।

(ग) फ़ादर बुल्के संन्यासी होकर भी 'ममता' और 'अपनापन' आदि गुणों के कारण एक निर्लिप्त सांसारिक कैसे थे? उदाहरण दीजिए।

(घ) 'शहनाई की दुनिया में डुमराँव को क्यों याद किया जाता है? 'नौबत खाने में इबादत' पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए।

(ङ) मन्नू भंडारी की अध्यापिका शीला अग्रवाल ने उनको ऐसा क्या दिया था जो वे बाद तक उन्हें याद करती रहीं। 'एक कहानी यह भी' पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए।

12. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

कौसिक सुनहु मंद येहु बालकु। कुटिलु कालबस निज कुल घालकु।।
भानुबंस राकेस कलंकू। निपट निरंकुसु अबुधु असंकू।।
कालकवलु होइहि छन माहीं। कहौं पुकारि खोरि मोहि नाहीं।।
तुम्ह हटकहु जौ चहहु उबारा। कहि प्रतापु बलु रोष हमारा।।
लखन कहेउ मुनि सुजसु तुम्हारा। तुम्हहि अछत को बरनै पारा।।
अपने मुहु तुम्ह आपनि करनी। बार अनेक भाँति बहु बरनी।।
नहि संतोषु त पुनि कछु कहहू। जनि रिस रोकि दुसह दुःख सहहू।।
बीरब्रती तुम्ह धीर अछोभा। गारी देत न पावहु सोभा।।

(क) परशुराम ने लक्ष्मण की क्या–क्या विशेषताएँ बताई ह? **2**

(ख) परशुराम के प्रति लक्ष्मण के कथन का आशय अपनी भाषा में लिखिए। **2**

(ग) 'बीरब्रती' शब्द में निहित भाव को स्पष्ट कीजिए। **1**

अथवा

तार सप्तक में जब बैठने लगता है उसका गला
प्रेरणा साथ छोड़ती हुई उत्साह अस्त होता हुआ
आवाज़ में राख जैसा कुछ गिरता हुआ
तभी मुख्य गायक को ढाँढ़स बँधाता
कहीं से चला आता है संगतकार का स्वर
कभी–कभी वह यों ही दे देता है उसका साथ
यह बताने के लिए कि वह अकेला नहीं है
और यह कि फिर से गाया जा सकता है
गाया जा चुका राग।

(क) 'आवाज़ से राख जैसा कुछ गिरता हुआ' – काव्यांश का अर्थ स्पष्ट कीजिए। **2**

(ख) संगतकार के माध्यम से कवि किस प्रकार के व्यक्ति की ओर संकेत कर रहा है? उसकी दो विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। **2**

(ग) 'तार सप्तक' क्या है? **1**

13. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

(क) कवि ने 'कन्यादान' कविता के माध्यम से माँ की किस विशेषता को अभिव्यक्ति दी है? **1**

(ख) 'छाया मत छूना' कविता के कवि का 'छाया' शब्द से क्या तात्पर्य है? उसको छूने के लिए उसने मना क्यों किया है? **2**

(ग) 'मिट्टी का गुण–धर्म' छोड़ने से क्या तात्पर्य है? **2**

14. लेखक ने अपने आपको हिरोशिमा के विस्फोट का भोक्ता कब और किस तरह महसूस किया? **5**

अथवा

भारत के स्वाधीनता आंदोलन में दुलारी और टुन्नू ने किस प्रकार अपना योगदान दिया? पठित पाठ के आधार पर लिखिए।

खण्ड – घ

15. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर संकेत बिन्दुओं के आधार पर निबंध लिखिए ? **5**

विज्ञान के बढ़ते चरण

भूमिका, विज्ञान के विभिन्न आविष्कार, विविध क्षेत्रों में विज्ञान की पैठ, अधुनातम आविष्कार, विज्ञान से लाभ, मानव कल्याण एवं विज्ञान, उपसंहार?

नैतिक पतन: देश का पतन

नैतिकता – मानवता की श्रेष्ठता की कसौटी,
वर्तमान स्थिति,
हमारा कर्त्तव्य

16. संचार माध्यमों के प्रसार के कारण पत्र – लेखन , प्राय : , पीछे छूट गया है। पत्र – लेखन के महत्त्व को रेखांकित करते हुए अपने मित्र को पत्र लिखिए । **5**

अथवा

अपने पड़ोस में बढ़ते हुए अपराधों की रोकथाम के लिए अपने क्षेत्र के थानाध्यक्ष को एक पत्र लिखिए और सुझाव भी दीजिए ।